सुलेमानी ने रची दिल्ली में हमले की साजिश: ट्रंप

साजिश

नई दिल्ली और लंदन में आतंकी हमलों की साजिश रची

ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी ने अपने पागलपन में निर्दोष लोगों की हत्या की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लॉस एंजिलिस। इराक में ईरान के मेजर जनरल कासिम सुलेमानी के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नई दिल्ली में आतंकी हमले की साजिश रची थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा, 'सुलेमानी ने अपने पागलपन में निर्दोष लोगों की हत्या की, नई दिल्ली और लंदन में आतंकी हमलों की साजिश रची।'

सुलेमानी को मारने के लिए मिसाइल हमले का आदेश देने के संबंध में उन्होंने कहा, 'आज हम सुलेमानी के अत्याचारों के शिकार हुए लोगों को याद करते हैं और सम्मानित करते हैं और हमें यह जानकर सुकून मिलता है कि उनका आतंकराज अब खत्म हो गया है।'

हालांकि भारत में किस आतंकी साजिश का वह जिक्र कर रहे थे, इसके बारे में उन्होंने नहीं बताया।

माना जा रहा है कि वह 2012 में भारत में इजरायली राजनयिक की पत्नी की कार पर हुए बम हमले का उल्लेख कर रहे थे। 13 फरवरी, 2012 को कार में चुंबक के सहारे बम लगाकर किए गए हमले में ताल येहोशुआ कोरेन घायल हो गई थीं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके अलावा उनका चालक तथा पास खड़े दो और लोग भी घायल हो गए थे।

नेतन्याहू ने जताई थी ईरान का हाथ होने की आशंका: इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमले के पीछे ईरान का हाथ था और इसी तकनीक का उपयोग कर जॉर्जिया में भी हमले की कोशिश की गई थी। बता दें कि अब तक यह मामला सुलझ नहीं सका है और भारत की ओर से इस मामले में ईरान का हाथ होने की बात नहीं कही गई है।

दिल्ली में हमले की साजिश पर पत्रकार को किया था अरेस्ट: 2012 की खबरों के मुताबिक ईरान ने वह हमला तेहरान में उसके परमाणु वैज्ञानिक मुस्तफा अहमदी रोशन की हत्या के जवाब में किया था। परमाणु वैज्ञानिक की हत्या कथित रूप से इजरायल ने की थी। भारत के एक पत्रकार सैयद मोहम्मद अहमद काजमी को उसी साल छह मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उस पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। उसे गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत रखा गया। उसे उसी साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने विदेश नहीं जाने की शर्त पर जमानत दे दी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद शव को सुलेमानी की जन्मभूमि केरमन शहर में दफनाने के लिए ले जाया जाएगा।

न्यूज डायरी

बाहुबली कासिम सुलेमानी की मौत के बाद ट्रंप ने खाई आइसक्रीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। ईरान के बाहुबली जनरल कासिम सुलेमानी के मारे जाने के बाद फ्लोरिडा में छुट्टियां मना रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने दोस्तों के साथ आइसक्रीम खाकर जश्न मनाया। इस दौरान ट्रंप के साथ केविन मैककार्थी समेत उनके कई पुराने मित्र मौजूद थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुलेमानी के मारे जाने की खबर दिए जाने के बाद ट्रंप ने मार–ए–लागो क्लब में आइसक्रीम खाया।

अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह कुछ उसी तरह से था, जैसे सीरिया में वर्ष 2017 में मिसाइल हमले के बाद ट्रंप ने चॉकलेट केक खाकर जश्न मनाया था। इस दौरान उनके साथ चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी मौजूद थे। ट्रंप ने उन्हें सीरिया में मिसाइल हमले की सूचना दी और चॉकलेट केक खिलाया। बता दें कि हवाई हमले के ठीक बाद ट्रंप ने अमेरिका का झंडा ट्वीट किया था। माना जा रहा है कि ट्रंप ने इसके जरिए दुनिया को संदेश देने की कोशिश की थी। बिना टेक्स्ट के किए गए इस ट्वीट में केवल अमेरिका का झंडा दिख रहा है। इस बीच शनिवार को ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने इस हमले का आदेश दिया था। ट्रंप ने कहा, श्कासिम सुलेमानी की हत्या ईरान के साथ विवाद बढ़ाने के लिए नहीं की गई है। हमने बीती रात एक युद्ध को खत्म करने के लिए कार्रवाई की। हमने एक युद्ध शुरू करने के लिए कार्रवाई नहीं की।

इराक अभियान में सुरक्षा कारणों से गठबंधन ने सैनिकों की संख्या कम की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। अमेरिकी हमले में ईरान एवं इराक के शीर्ष कमांडरों के मारे जाने की घटना के बाद उग्रपंथियों के खिलाफ लड़ाई में मदद कर रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले सुरक्षा बलों की संख्या इराक अभियान में कम कर दी गई है। अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, "हमलोग अपने सुरक्षा सहयोगियों के साथ इस्लामिक स्टेट समूह के खिलाफ अभियान को सीमित करेंगे, जहां वे हमारे बल के सुरक्षा प्रयासों में परस्पर सहयोग करते हैं।" अधिकारी ने कहा, "हमने गठबंधन सेना के लिए मौजूद इराकी सैन्य अड्डों पर सुरक्षा बढ़ा दी है और रक्षात्मक कदम उठा रहे हैं।

नवाज शरीफ हृदय की जांच से गुजरेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। बीमार चल रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हृदय संबंधी बीमारी के इलाज के लिए जल्द ही भर्ती होंगे क्योंकि डॉक्टर अभी तक उनके गिरते प्लेटलेट की वास्तविक वजह की पहचान करने में नाकामयाब रहे।

पीएमएल–एन के 69 वर्षीय सुप्रीमो 19 नवंबर को इलाज के लिए पाकिस्तान से एयर एंबुलेंस के जरिए लंदन ले जाए गए थे। शरीफ कोरोनरी आर्टरी डिजिज समेत कई बीमारियों का इलाज करा रहे हैं। शरीफ को लंदन के एक अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। हृदय रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों ने उन्हें सलाह दी है कि एक सप्ताह के भीतर इस चीज की जांच की जाए कि उनके हृदय का ऑपरेशन, बायपास या हर्ट स्टंट होगा या नहीं।

गुरुद्वारा ननकाना साहिब बिल्कुल सुरक्षितः पाकिस्तान सरकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि गुरुद्वारा ननकाना साहिब को खास समूह के लोगों ने अपवित्र किया। गुरुद्वारा जन्म स्थान के नाम से मशहूर गुरुद्वारा ननकाना साहिब सिख धर्म के लोगों के लिए बेहद पवित्र स्थल है क्योंकि यहां सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म हुआ था।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने मध्यरात्रि में एक बयान में कहा कि पंजाब प्रांत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि वहां दो मुस्लिम समूहों के बीच किसी छोटी घटना को लेकर झड़प हुई थी जिसमें तत्काल हस्तक्षेप करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुद्वारा बिल्कुल सुरक्षित है और इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान सरकार कानून–व्यवस्था बनाए रखने और खास तौर पर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिख समुदाय से मिले मुस्लिम धर्मगुरु गुरुद्वारे पर हमले की निंदा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर अटैक की घटना के बाद पाकिस्तान में मुस्लिम धर्मगुरुओं के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सिख समुदाय से मुलाकात की और गुरुद्वारे के बेदअबी की निंदा की। धर्मगुरुओं के साथ खालिस्तान समर्थक नेता पवन चावला को भी देखा गया है। उधर, पाकिस्तान सरकार ने एकबार फिर ननकाना साहिब की बेअदबी की खबरों को खारिज किया है। पाक ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के जन्मस्थान को किसी ने छुआ नहीं है और न ही उसे कोई नुकसान पहुंचाया है तथा सिख धर्म के पवित्र स्थलों में से एक में तोड़फोड़ किए जाने के दावे गलत हैं। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने घटना से जुड़े वायरल विडियो को फेक न्यूज बताया था।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पंजाब प्रांत के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी है कि वहां शुक्रवार को दो मुस्लिम समूहों के बीच झड़प हुई थी। उसने कहा कि झगड़ा चाय की एक दुकान पर किसी मामूली घटना को लेकर हुई और जिला प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, इस घटना को सांप्रदायिक मुद्दे के रूप में चित्रित करने का प्रयास स्पष्ट तौर पर प्रेरित है।

ईरान अपने वफादार जनरल सुलेमानी को दे रहा यादगार अंतिम विदाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। अमेरिकी हमले में मारे गए अपने जनरल कासिम सुलेमानी को ईरान ऐतिहासिक आखिरी विदाई दे रहा है। शनिवार को बगदाद की सड़कों पर सुलेमानी का जनाजा निकला, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। ईरान में सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई के बाद दूसरे ताकतवर शख्स के अंतिम संस्कार में शामिल लोगों ने काले कपड़े पहन रखे थे और उनके हाथों में इराकी और ईरान समर्थित मिलिशिया के झंडे थे। इस जुलूस में ईरान के कई ताकतवईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, सुलेमानी की एक शवयात्रा रविवार सुबह तेहरान में भी आयोजित होगी।

पाकिस्तान का नया झूठ, फेक न्यूज बताकर घिरे मंत्री फवाद चौधरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में स्थित सिखों के पवित्र स्थल ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर शुक्रवार को हमले के बाद पाकिस्तान का एक और झूठ सामने आया है। अकसर उल्टे–सीधे बयान देने के लिए चर्चित पाकिस्तान के विज्ञान एवं टेक्नॉलजी मंत्री फवाद चौधरी के ट्वीट के बाद सवाल उठ रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के ट्वीट का जवाब देते हुए पाक मंत्री ने एक बार फिर झूठ बोला। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के बयान का हवाला देते हुए चौधरी ने ट्वीट किया, जिसके बाद वह घिर गए।

चौधरी का ट्वीट– ओबामा ने 2013 में कहा था कि भविष्य में फेक न्यूज सबसे बड़ी चुनौती

कैप्टन अमरिंदर का इमरान खान को ट्वीटः ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुई पत्थरबाजी और सिखों को धमकी देने के मामले में भारत में काफी नाराजगी है। इस बीच पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पाकिस्तान की इमरान खान सरकार से सिख श्रद्धालुओं को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग करते हुए ट्वीट किया, श्मैं इमरान खान से तुरंत दखल देने की अपील करता हूं। वह ननकाना साहिब गुरुद्वारे में फंसे श्रद्धालुओं का रेस्क्यू करवाते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कराएं।

ट्वीट के जवाब में फवाद ने फेक न्यूज का किया जिक्रः पाकिस्तान के मंत्री फवाद चौधरी ने इस ट्वीट पर जवाब देते हुए लिखा, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने काफी पहले 2013 में भविष्यवाणी की थी कि भविष्य की सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि फेक न्यूज और आधी सच्चाई पर आधारित जानकारी के प्रसार से कैसे निपटा जाए, उनको भविष्य की जानकारी थी। ननकाना साहिब गुरुद्वारा शांति, सद्भाव और आशीर्वाद का प्रतीक है और रहेगा। पाकिस्तान ने शुक्रवार को उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि गुरुद्वारा ननकाना साहिब को खास समूह के लोगों ने अपवित्र किया।

इराक के प्रधानमंत्री अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए कमांडरों की शोक सभा में शामिल हुए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गये ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी और इराकी अर्द्धसैनिक बल के उप प्रमुख अबू महदी अल मुहंदिस के लिए शनिवार को आयोजित एक शोक सभा में शामिल हुए। शोक सभा में इराक के प्रधानमंत्री अब्देल अब्देल महदी, मुहंदिस के सहयोगी हादी अल अमेरी, शिया धर्मगुरु अम्मार अल हकीम, पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल मलिकी और ईरान समर्थक अन्य गणमान्य लोग भी शामिल हुए। ताबूतों को पहले बगदाद के काजिमिया जिले में स्थित एक प्रमुख शिया मस्जिद में लाया गया, जहां हजारों लोगों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाए। इसके बाद ताबूतों को आधिकारिक शोक सभा के लिए ग्रीन जोन ले जाया गया। गौरतलब है कि शुक्रवार को जब सुलेमानी और मुहंदिस बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से अपने वाहनों में सवार हो कर जा रहे थे तभी एक ड्रोन हमले में आठ अन्य लोगों के साथ वे मारे गए।